

# भारत में गिग इकोनॉमी और रोजगार के अवसर Gig Economy and Employment opportunity in India

गिग इकोनामी एक ऐसी मुक्त बाजार व्यवस्था है जहां पूर्णकालिक रोजगार की जगह अस्थायी रोजगार का प्रचलन है। इसके तहत कंपनियां या फर्म अपनी लघु अवधि या खास जरूरतों को पूरा करने के लिए फ्रीलांसर या स्वतंत्र श्रमिकों के साथ कॉन्ट्रैक्ट करती हैं।

## क्या है गिग इकोनॉमी?

डिजिटलाइजेशन के इस दौर में रोजगार की परिभाषा और काम का स्वरूप धीरे-धीरे बदलता जा रहा है और एक नई वैश्विक अर्थव्यवस्था उभर रही है जिसे 'गिग इकोनामी' कहा जा रहा है।

## महामारी का प्रभाव:-

कोरोना वायरस महामारी के चलते लगाए गये lock-down की वजह से भारत में रोजगार

पर काफी ज्यादा प्रभाव पड़ा है। गिग इकोनॉमी में काम करने वाले श्रमिकों का एक नया वर्ग 'गिग वर्क्स' भी इससे अछूता नहीं है। भारत में इस महामारी के प्रभाव के चलते लगभग 90 फ़ीसदी गिग वर्क्स की आय में बड़े स्तर पर गिरावट आई है। गिग इकोनामी में काम करने वाले इन वर्क्स की आमदनी जहां पहले रुपए 25,000 से भी ज्यादा रहती थी, वहीं अब यह सिमटकर रुपए 15,000 से भी कम रह गई है। यह भारत के लिए एक चिंताजनक विषय है।

## गिग इकोनॉमी के लाभ:-

गिग इकोनामी से प्राप्त होने वाले लाभ की बात करें तो इस अर्थव्यवस्था में कर्मचारियों और रोजगार प्रदाताओं दोनों का फायदा है। इस व्यवस्था में जहां एक तरफ बड़ी-बड़ी कंपनियां कम लागत पर योग्य कर्मचारियों को नियुक्त कर उनसे अपना काम करवा पा रही हैं, वहीं कंपनियों पर कर्मचारियों को पेंशन, इंसेंटिव या अन्य सुविधाएं देने की बाध्यता नहीं होती। इससे उनकी ऑपरेशनल लागत कम हो जाती है। वहीं दूसरी तरफ दक्ष पेशेवरों को

उनकी पसंद का काम मिल पाता है। चूँकि गिग इकोनामी में कर्मचारियों के पास अपनी पसंद का काम करने की आजादी होती है। गिग इकोनामी के जरिए उन्हें घर बैठे काम का विकल्प मिल रहा है।

## गिग इकोनॉमी एवं कम्पनियाँ :-

भारत में गिग इकोनामी स्टार्टअप्स और टेक्नोलॉजी आधारित फर्म्स के कारण जोर पकड़ रही है। इनके जरिए बड़ी तादाद में शहरी युवाओं को रोजगार प्राप्त हुआ है। ये लोग उबर, ओला, स्विगी, जोमैटो, फ्लिपकार्ड, अमेजन, शॉपक्लूज, इबे और अलीबाबा जैसी ई-कॉमर्स वेबसाइट्स आदि जैसी कंपनियों में नौकरियाँ कर रहे हैं। देश में 10 मिलियन से भी ज्यादा लोग फ्रीलांस के तौर पर काम कर रहे हैं। भारत में नए रोजगारों जिनमें ब्लू-कॉलर और वाइट-कॉलर दोनों तरह की जॉब्स शामिल हैं, इसका 50 फ़ीसदी से भी ज्यादा हिस्सा गिग इकोनामी द्वारा सृजित हो रहा है। गिग इकोनॉमी आधारित नौकरियों की बात करें तो इस समय सबसे ज्यादा भुगतान करने वाली गिग नौकरियों में ब्लैकचेन,

एथिकल हैकिंग, एडब्ल्यूएस, डाटा एनालिटिक्स व रोबोटिक्स आदि शामिल हैं, जहां प्रति घंटे की दर से 80-120 डालर तक मिलते हैं। हालांकि भारत में लेखन, अनुवाद, रचनात्मक कार्य, बिक्री, डिजिटल डिस्ट्रीब्यूशन, ब्रांडिंग, भर्ती, वास्तुकला, लेखा, कंसल्टिंग सर्विसेज, डाटा एनालिसिस के विकल्प ज्यादा प्रचलित हैं।

## गिग इकानामी में विकास के चरण:-

भारत में गिग इकोनामी के विकास के कारणों की बात करें तो इनमें देश में तेजी से बढ़ता डिजिटलीकरण एक अहम कारण है। दूसरा प्रमुख कारण यह है कि गिग इकनोमी को अपनाने से फर्मों की परिचालन लागत कम हो जाती है, क्योंकि कंपनियां पेंशन और अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभों का भुगतान करने के लिए बाध्य नहीं होती। तीसरी वजह यह है कि गिग इकोनामी श्रमिकों को जरूरी फ्लैक्सिबिलिटी उपलब्ध कराती है जिसमें वे बार-बार नौकरी बदल सकते हैं और अपने मन का काम चुन सकते हैं। चौथा और प्रमुख कारण यह है कि औपचारिक क्षेत्र की नौकरियों

में हालिया मंदी ने भी गिग इकनोमी के विकास को बढ़ावा दिया है। ऐसा माना जा रहा है कि चौथी औद्योगिक क्रांति गिग इकोनॉमी के आधार पर विकसित होगी।

## गिग इकानामी के लिए नकारात्मक पहलू :-

भारत में गिग इकोनामी के मामले में एक बड़ी चिंता दक्ष कार्यशील आबादी की कमी की है। आमतौर पर कंपनियां उन्हें ही चुनती हैं जो किसी विशेष क्षेत्र में दक्ष या विशेषज्ञ हों। हमारे देश में एक बड़ी आबादी कार्यकारी जनसंख्या की है, लेकिन इनमें दक्ष पेशेवरों की तादाद काफी कम है। एक बड़ी आबादी को नौकरी की मांग के मुताबिक संबंधित क्षेत्र में प्रशिक्षित करने के लिए एक बड़े प्रयास की जरूरत होगी, जो एक बड़ी चुनौती है। गिग अर्थव्यवस्था की एक चुनौती यह भी है कि इस पर देश के तमाम श्रम कानून लागू नहीं होते। जिसके चलते कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा के मुद्दों पर कानून की सुरक्षा नहीं मिलती। इसके अलावा, गिग इकोनॉमी अस्थायी और असंगठित रोजगार को बढ़ावा देती है। अस्थायी तौर पर काम करने के कारण नियमित काम या रोजगार

की गारंटी नहीं होती इसलिए नियमित आय का कोई साधन नहीं मिल पाता है।

**गिग इकानामी हेतु ठोस कदम :-**

गिग इकोनॉमी को बढ़ावा देने के लिए युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन और रोबोटिक्स आदि से जुड़े कामों के लिए कौशल-प्रशिक्षण दिया जाए और इस कौशल की जिम्मेदारी हमारी शिक्षा व्यवस्था को उठानी चाहिए। भारत में गिग इकोनामी के तहत उभरते स्टार्टअप्स को संतुलित तरीके से विकसित करने की जरूरत है जिससे स्टार्टअप कंपनियों और श्रमिकों दोनों को ही इस क्षेत्र में जरूरी सुविधाएं मुहैया हो सके। श्रम कानूनों में संशोधन कर उनमें फ्रीलांसिंग आदि को भी शामिल किया जाना चाहिए। इससे न केवल गिग इकोनामी रफ्तार पकड़ेगी बल्कि देश में रोजगार सृजन की संभावनाएं भी काफी बढ़ जाएंगी जो अंततः देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा।

**Gig economy in India**

**Gig Economy** is a free market system where temporary employment prevails over full time employment. Under this, companies are firms contract with freelancers or independent workers to meet their short-term or specific needs.

## **What is the Gig Economy-**

In this era digitalization, the definition of employment and the nature of work is gradually changing and a new Global economic is emerging which is being called **GIG Economy**.

## **Pendemic Effect**

Employment in India has been greatly affected by the lockdown imposed due to the corona virus epidemic. A new class of workers working in the gig economy is also not until the by the 'GIG workers'. Due to the impact of epidemic in India about **90%** of gig workers'

income declined in the big way. While the income of these workers working in gig economy was more than ₹ 25,000 earlier, now it has been reduced to less than ₹ 15,000. This is a matter of concern for India.

## **Benefits of Gig Economy-**

Talking about the benefits of gig economy both workers and Employment providers have an advantage in this economy. In this system, on the one hand big companies are able to get qualified employees at low cost and get them done, while companies are not obliged to give pension, incentive or other facilities to the employees. This reduces their operational cost. On the other hand, skilled professionals get the job for their choice because in Gig economy employees have the freedom to do the job of their choice. Through Gig economy they are getting the option

of work from home.

## **Gig Economic and Companies -**

Gig economy is gaining momentum in India due to startups and Technology based firms. Through them a large number of urban youth have got employment. These people are doing jobs in companies like Uber, Ola, swiggy, Zomato, Flipkart, Amazon, ShopClues, eBay and Alibaba eCommerce website etc. There are more than 10 million people working as freelance in the country. In India more than 50% of the new jobs including both Blue Collar and White Collar jobs are being generated by Gig Economy. Talking about gig economy based job, the highest paid jobs at the moment include blackchain, ethical hacking AWS, Data Analytics and Robotics etc., which get up to \$80 - 120 per hour. Although in India options for writing, translation, creative work, sales, digital

distribution, branding, recruitment, architecture, accounting, consulting service, data analysis are more prevalent in India.

## Stages of Development in Gig Economy-

Talking about the reasons for the growth of Gig Economy in India, rapid digitization is an important reason in these countries. The second major reason is that the adaptation of the gig economy reduced the operating cost of firms, as companies are not obligated to pay pensions and other social security benefits. The third reason is that **Gig Economy** provides the workers with necessary flexibility in which they can change jobs repeatedly and choose their own job. A fourth and major reason is that the restaurant slowdown in formal sector jobs has also fueled the growth of gig economy. It is believed that the fourth Industrial

revolution will develop on the basis of the **gig economy**.

## **Negative aspects of Gig Economy**

One of the major concern regarding **gig economy** in India is the lack of efficient working population.

Generally companies use only those who are proficient or expert in a popular field. Our country has a large working population, but the number of skilled professionals is very less. A lot of effort will be required to turn a large population in the relevant field according to the demand of jobs, which is a major challenge. One of the challenges of the **Gig Economy** is that not all labour laws of the country apply to it. Due to which the law is not protected on the issues of protecting the rights of employees. In addition, the gig economy promotes temporary and unorganised employment. Due to working temporarily, regular work or

employment is not guaranteed, so no means of regular income is available.

## **Concrete Steps of Gig Economy**

To promote the **Gig Economy** to the youth skill training should be imported for the work related to Artificial Intelligence, Drones and Robotics etc. and our education system for take responsibility for this skill emerging startups under **Gig Economy** in India need to be developed in a balanced manner so that both startup companies and workers can provide the necessary facilities in this sector. Labour laws should be amended to include freelancing etc. This will not only increase the Gig Economy but will also increase the chances of Employment generation in the country which will eventually strengthen the country's economy.

### **RF competition**

INFOSRF

INFOSRF

INFOSRF

INFOSRF

INFOSRF